

के भाई हलाद की पत्नी का नाम 4. हल्दी 5. फूँकनी।

धमनिका स्त्री. (तत्.) 1. छोटी और पतली धमनी 2. तुरही।

धमनी स्त्री. (तत्.) दे. धमनि।

धमस स्त्री. (तद्.) थकान, श्रमजन्य अनुभूति।

धमसा पुं. (तद्.) धौंसा, नगाड़ा।

धमाका पुं. (तद्.) 1. भारी वस्तु के गिरने का शब्द 2. तेज आवाज उदा. बंदूक के धमाके से वातावरण गूँज उठा।

धमाचौकड़ी स्त्री. (देश.) उछल-कूद, कूद-फाँद, ऊधम, उपद्रव उदा. बच्चों, यहाँ धमाचौकड़ी मत मचाओ।

धमाधम क्रि.वि. (अनु.) धम-धम शब्द करते हुए प्रयो. बच्चे धमाधम नीचे कूद पड़े, उन पर धमाधम थप्पड़ पड़ने लगे।

धमार स्त्री. (तद्.अनु.) उपद्रव, उछल-कूद, उत्पात, धमाल पुं. फाग का एक भेद, फागुन के गीत, एक ताल।

धमारिया वि. (तद्.) उपद्रवी, उत्पाती, उछल-कूद मचाने वाला पुं. 1. होली के धमार गाने वाला 2. कलाबाज 3. मंत्र बल से दहकते अंगारों पर चलने वाला साधु।

धमारी वि. (तद्.) उत्पाती, उपद्रवी स्त्री. धमाचौकड़ी, होली की क्रीड़ा।

धमाल स्त्री. (देश.) दे. धमार।

धमाला पुं. (देश.) चूल्हे के ऊपर दीवार में बना वह छिद्र जिससे धुआँ बाहर निकलता है।

धमाली स्त्री. (देश.) जोगीड़े की तरह के एक प्रकार के अश्लील गीत।

धमासा पुं. (तद्.) जवासा।

धमि स्त्री. (तत्.) फूँकने की क्रिया।

धमिका स्त्री. (तत्.) लोहार की स्त्री, लोहारिन।

धमिल पुं. (तत्.) सिर के बालों का बँधा हुआ जूड़ा।

धमेख पुं. (तद्.) वाराणसी के निकट सारनाथ के पास एक स्तूप जिसे बुद्ध के धर्म-चक्र प्रवर्तन की स्मृति में बनाया गया था।

धमोड़ना स.क्रि. (तद्.) आघात करना, प्रहार करना।

धम्मल पुं. (तत्.) दे. धम्मिल्ल।

धम्मिल्ल पुं. (तत्.) 1. सिर के बालों को लपेट कर बनाया जाने वाला जूड़ा 2. मोतियों, फूल आदि से सजाया हुआ जूड़ा या केशकलाप।

धम्हा पुं. (तद्.) धमन भट्ठी, धातु गलानेकी भट्ठी।

धयना अ.क्रि. (तद्.) दौड़ना।

धरंता वि. (तद्.) धरने वाला, पकड़ने वाला।

धर वि. (तत्.) धारण या ग्रहण करने वाला (केवल समास में इस शब्द का प्रयोग होता है) उदा. चक्रधर, महीधर पुं. 1. पृथ्वी को अपने ऊपर धारण किए कच्छप 2. विष्णु 3. श्रीकृष्ण 4. पर्वत, पहाड़ 5. एक वसु 6. व्यभिचारी 7. कपास की रुई 8. तलवार स्त्री. 1. धरने/पकड़ने की क्रिया, धर-पकड़ 2. गिरफ्तारी प्रयो. क्रांतिकारी पुलिस की धर-पकड़ से बचने के लिए भूमिगत हो गए।

धरकना अ.क्रि. (अनु.) दे. धड़कना।

धरकार पुं. (देश.) एक जाति जो बाँस की टोकरियाँ आदि बनाती है, बाँसोर।

धरण पुं. (तत्.) 1. रखने, थामने, ग्रहण करने या सँभालने की क्रिया या भाव 2. एक प्राचीन तौल 3. बाँध 4. पुल 5. सहारा 6. संसार 7. सूर्य 8. स्तन 9. धान 10. एक नागर का नाम 11. पहाड़ का किनारा।

धरणि/धरणी स्त्री. (तत्.) 1. पृथ्वी 2. नाड़ी, नस 3. सेमर का पेड़ 4. शहतीर

धरणि/धरणी कीलक पुं. (तत्.) पृथ्वी को कील की तरह दबाए रहने वाला, पहाड़, पर्वत टि. पुराणों के अनुसार पहाड़ पृथ्वी को दबाकर रखते हैं।